भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2753

15 दिसम्बर, 2015 को उत्तरार्थ

विषय : मृदा स्वास्थ्य मिशन

2753. एडवोकेट नरेन्द्र केशव सावईकर:

कुंवर हरिवंश सिंह:

श्री सुधीर गुप्ता:

श्री ए.टी. नाना पाटील:

श्रीमती मीनाक्षी लेखी:

श्री सुल्तान अहमद:

श्री दुष्यंत चौटाला:

श्री रमेश बिधूडी:

श्री गजानन कीर्तिकर:

श्री अशोक शंकरराव चव्हाण:

श्री ओम बिरला:

श्री राजेश कुमार दिवाकर:

श्री रवनीत सिंह:

श्री रोड़मल नागर:

श्री आर. ध्रुवनारायण:

श्रीमती पूनम महाजन:

श्री डी. के. सुरेश:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में किसानों के लाभ के लिए नए मृदा स्वास्थ्य मिशन को शुरू किया है;

(ख) यदि हां, तो इस मिशन की मुख्य विशेषता क्या है;

(ग) सरकार द्वारा शुरू किए गए पिछले मिशन की तुलना में इस नए मिशन के क्या लाभ हैं;

(घ) विगत एक वर्ष के दौरान प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में किसानों को कितने मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए हैं; और

(ङ) देश के विभिन्न भागों में और अधिक मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं खोलने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहनभाई कुंडारीया)

(क) एवं (ख) जी, हां। उर्वरक पद्धतियों में पोषक तत्व की कमियों का समाधान करने के लिए प्रत्येक तीन वर्ष के अंतराल में देश के सभी 14 करोड कृषि जोतधारकों के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी करने के लिए वर्ष 2014-15 के दौरान मृदा स्वास्थ्य कार्ड स्कीम शुरू की गई है।

स्कीम के अंतर्गत सिंचित क्षेत्रों में 2.5 हेक्टेयर के ग्रिड में और वर्षा सिंचित क्षेत्रों में 10 हेक्टेयर ग्रिड में मृदा नमूनों को संकलित किया जाएगा। वैश्विक स्थिति प्रणाली (जीपीएस) पर आधारित नमूने लिए जाएंगे और 12 पैरामीटरों नामत: पीएच, इलेक्ट्रिकल कन्डक्टिविटी (ईसी), जैविक कार्बन (ओ सी), वृहत पोषक तत्व (नाईट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटेशियम, गौण पोषक तत्व (सल्फर) और सूक्ष्म (जिंक, वोरोन, आयरन, मैग्नीज एवं कॉपर) की जांच की जाएगी। मृदा स्वास्थ्य कार्ड उर्वरक सिफारिशों के साथ आनलाईन निकाला जाएगा।

(ग) नई स्कीम के निम्न लिखित लाभ हैं:-

I. यह पहली बार एक समान मृदा नमूना प्रणाली है जो सिंचित क्षेत्र में 2.5 हे. के ग्रिड में और वर्षा सिंचित क्षेत्रों में 10 हेक्टेयर में देश के सभी राज्यों में शुरू की गई है। जीपीएस आधारित नमूना मृदा स्वास्थ्य में वर्षों सें परिवर्तनों की मानिटरिंग की अनुमति देगा।

II. 12 पैरामीटरों यथा पीएच, ईसी, ओसी, प्राथमिक पोषक तत्व (एनपीके) गौण पोषक तत्व (एन), सूक्ष्म पोषक तत्व (जिंक, बोरोन, आयरन, मैगनीज एवं कॉपर) का विश्लेषण करने के लिए एक समान मृदा परीक्षण प्रणाली विज्ञान अपनायी जा रही है।

III. मृदा स्वास्थ्य कार्ड के लिए एक समान प्रारूप अपनाया गया है। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा की गई सामान्य उर्वरक सिफारिशों के आधार पर मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाने और जारी करने के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड पोर्टल विकसित किया गया है।

(घ) 09.12.2015 तक राज्यों ने किसानों के लिए 66 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी कर दिया है। राज्य वार ब्यौरा अनुबंध पर दिया है।

(ङ) मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन नामक चालू स्कीम के अंतर्गत स्थिर/चल मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना करने और विद्यमान स्थिर मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए भी दो वर्षों 2014-15 एवं 2015-16 में राज्यों को 180 प्रयोगशालाएं (103 स्थिर और 77 चल) के लिए 100 करोड़ रु. की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

अनुबंध

09.12.2015 के अनुसार मृदा स्वास्थ्य कार्ड स्कीम की स्थिति

क्र.स.	राज्य	09.12.2015 तक जारी किए गए मृदा स्वास्थ्य कार्डों की संख्या
I	दक्षिणी क्षेत्र	
1	आंध्र प्रदेश	1274518
2	कर्नाटक	3700
3	केरल	12064
4	तमिलनाडु	980892
5	तेलंगाना	242000
II.	पश्चिम क्षेत्र	
6	गुजरात	800000
7	मध्य प्रदेश	275000
8	महाराष्ट्र	1522000
9	राजस्थान	225000
10	छत्तीसगढ़	59248
11	गोवा	0
III.	उत्तरी क्षेत्र	
12	हरियाणा	20000
13	पंजाब	64897
14	उत्तराखंड	72322
15	उत्तर प्रदेश	66736
16	हिमाचल प्रदेश	18994
17	जम्मू-कश्मीर	8586
IV.	पूर्वी क्षेत्र	
18	बिहार	660000
19	झारखंड	9844
20	ओडिशा	222436
21	पश्चिम बंगाल	10500
V.	पूर्वोत्तर क्षेत्र	
22	अरुणाचल प्रदेश	0
23	असम	413
24	मणिपुर	0
25	मेघालय	15668
26	मिजोरम	
27	नागालैंड	5470
28	सिक्किम	0
29	त्रिपुरा	6950
	कुल	**6577238**

******